which have already been supplied, one is in Tamil Nadu at Nagercoil, two in Andhra Pradesh at Adilabad and Cuddapah, as I have already said, one in Rajasthan at Kota, one in Maharashtra at Sholapur, in Orissa one at Keonjhar, in Uttar Pradesh one at Allahabad, in Tripura one at Agartala, in Gujarat one at Rajkot and one at Itanagar in Arunachal Pradesh.

Among the ten more which are coming, Udaipur in Rajasthan, Sangli in Maharashtra, Parbani in Maharashtra, Darbhanga in Bihar, Jamshedpur in Bihar, Passighat in Arunachal Pradesh, Tura in Meghalaya, Teju in Arunachal Pradesh, Tawang in Arunachal Pradesh and Jeypore in Orissa will get it.

MR. CHAIRMAN: You have covered all the States.

SHRI P. UPENDRA: Almost.

MR. CHAIRMAN: Or left out some.

SHRI P. UPENDRA: Not all the States, but wherever they are required.

श्रीमती वीणा वर्मा : मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहती हूं कि जैसे-जैसे दूरदर्शन और समाचारों के लिए हम तकनीक बढ़ाते जा रहे हैं, सब जगह उसको प्रोवाइड करने का हमने प्रावधान किया है वैसे-वैसे देखा यह गया है कि समाचारों के दृश्य बहुत कम होते जा रहे हैं, इसका क्या कारण है ? हम तकनीक तो बढ़ाते जा रहे हैं, लेकिन जो न्यूज फ्लेश होते हैं वे बहुत कम दिखाये जाते है और ज्यादातर न्यूज रीडर का चेहरा ही दिखाई देता है, इसके लिए आप क्या कर रहे हैं जिससे कि एक्चुअल फ्लेश दिखाये जायें ?

SHRI P. UPENDRA: Sir, she is mentioning about Doordarshan visuals. It has always been our endeavour to increase the visual part of news. We are trying for that. There also, we have to get adequate coverage from various parts of the country. There is some difficulty in getting them in time also. But it is our constant endeavour to increase the visual part.

MR. CHAIRMAN: Question 382.

Activities of U.L.F.A.

382. SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE:†
SHRI ASHWANI KUMAR:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) the number of civilians killed and injured by the activists of the United Liberation Front of Assam (ULFA) during the period from October to December, 1989 and January to June, 1990;

(b) whether the ULFA activists have been receiving arms from across the border;

(c) whether it is a fact that in many cases the ULFA activists have snatched away licensed weapons from the people and have also forcibly collected crores of rupees from the people in the name of donations; if so, the details thereof;

(d) the action taken by Government to stop the secessionist activities of the organisation; and

(e) the steps taken by the State Government in this regard and the outcome thereof?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (SHRI SUBODH KANT SAHAY): (a) Such offences attributable to ULFA are given below:—

(1) *From Oct. to Dec.* '89—

16 persons, including one police official, killed and 19 others injured.

(2) *During Jan. to June* '90—

30 persons, including 2 police officials killed. and 26 others injured.

(b) Yes, Sir.

†The question was actually asked on the floor of the House by Shri Atal Bihari Vajpayee.

(c) During January to June, 1990 ULFA activists snatched away over 1500 licensed weapons from the people and collected very substantial sums of money through extortions.

(d) and (e) Steps taken by the State Government include among others, (i) holding of all-party meeting to discuss the problem, (ii) gearing up of administrative machinery, (iii) raids on ULFA hideouts, (iv) mobile and Static checking of vehicles; and (v) arrests of ULFA activists. The Central Government have provided necessary assistance in terms of men, material and funds to the State Government.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, मंत्री महोदय ने जो उत्तर दिया है उससे यह स्पष्ट है कि आसाम की स्थिति निरन्तर बिगड़ती जा रही है । अब तक सौ से अधिक लोग उग्रवादियों के हाथों मारे गये हैं जिनमें पुलिस वाले और पुलिस के अधिकारी भी शामिल हैं । एक अनुमान के अनुसार उग्रवादियों ने डरा-धमका कर सौ करोड से अधिक धनराशि वसूल की है । खतरनाक बात यह है कि यह धन गैर-आसामियों से वसूल किया जा रहा है, उन्हें मौत के घाट उतारा जा रहा है । अब तो लड़कियों के अपहरण होने के समाचार भी मिले हैं । 15 अगस्त को जब हम स्वाधीनता दिवस मना रहे थे आसाम में जगह-जगह तिरंगा उतार कर काला झण्डा फहराया गया । मंत्री महोदय ने उत्तर दिया है कि राज्य सरकार को सहायता दी जा रही है । ऐसा लगता है कि राज्य सरकार असहाय और किंकर्तव्य विमूढ़ हो गई है । मैं जानना चाहता हूं कि केन्द्रीय सरकार क्या जब पानी सिर से ऊपर हो जाएगा और जम्मू-कश्मीर की तरह से स्थिति बिगड़ जाएगी तब कोई कदम उठाएगी । ? उल्फा को अवैध संगठन घोषित क्यों नहीं किया जाता ? इसमें कौन-सी कठिनाई है ?

श्री सुबोध कान्त सहाय : सभापति महोदय, केन्द्रीय सरकार लगातार उल्फा की जो गतिविधियां हैं उनसे चिन्तित है और राज्य सरकार से सम्पर्क बनाये हुए है । राज्य सरकार ने जितने उनसे निपटने के लिए साधन मांगे थे, यहां तक कि ए.के. 47 एसौल्ट राइफल भी उनको प्रदान की गई है, गाड़ियों की संख्या बढ़ाई जा रही है, संचार तंत्र को बढ़ाया जा रहा है और आर्थिक मदद भी दी जा रही है । यह बात सही है कि उल्फा की गतिविधियां इस दरमियान काफी बढ़ी हैं और बड़े पैमाने पर पैसे वसूलने की भी घटनाओं की जानकारी पत्रों के द्वारा और लोगों के डेलीगेशन्स के द्वारा मिली है । इस गंभीर सवाल से कैसे निपटा जाय, इस पर केन्द्रीय सरकार लगातार चीफ मिनिस्टर से सम्पर्क बनाये हुए है । चीफ मिनिस्टर यहां आने वाले हैं । वहां पर क्या-क्या कार्यवाही हुई है, इसकी समीक्षा कर रहे हैं, और यह होम सेक्रेटरी के लेवल पर की जा रही है । अगर जरूरी हुआ तो सरकार माननीय सदस्य के प्रोपोजल के ऊपर भी राज्य सरकार से सम्पर्क स्थापित करेगी ।

श्री सभापति : वही अवैध वाला । कौनसा प्रपोजल, वही अवैध वाला ?

श्री सुबोधकांत सहाय : जी ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, केन्द्र राज्य को बंदूकें दे रहा है, और भी सहायता दे रहा है । लेकिन, अगर राज्य सरकार में इच्छा शक्ति नहीं है और राज्य सरकार स्वयं भयभीत है तो संकट पर काबू कैसे पाया जायेगा ? मैं मंत्री महोदय से पूछना चाहता हूं कि उन्होंने उत्तर में कहा है कि किसी बाहरी देश से हथियार मिल रहे हैं । यह तो नयी बात है । उन्हें इस बारे में सदन को विश्वास में लेना चाहिये । अब और कौन सा पड़ोसी देश है जो हथियार भेजकर हमारे घरेलू मामलों में कश्मीर और पंजाब की तरह से दखल दे रहा है ।

सभापति महोदय, मेरी जानकारी यह है कि ये हथियार उन्होंने स्वयं प्राप्त किये हैं । मंत्री महोदय ने स्वयं जवाब में माना है कि जिसके पास लाइसेंसशुदा हथियार थे, उल्फा ने छीन लिये हैं और सरकार मानती है कि ऐसे 1500 हथियार हैं । इन हथियारों को लेकर वे लड़ाई लड़ रहे हैं । पुलिस को कोई स्पष्ट निर्देश नहीं हैं । आतंकवादियों का हौसला यहां तक बढ़ गया है कि डिब्रूगढ़ जिले में एक चायबागान में एक व्यक्ति को गोली मारी गई । उस व्यक्ति को अस्पताल ले जाया गया, वह जीवित था । मगर आतंकवादी अस्पताल में गये और दिन दहाड़े, वार्ड में, जनरल वार्ड में उन्होंने उस नौजवान को गोली मार दी । यह स्थिति ऐसी नहीं है कि इस पर केन्द्रीय सरकार केवल चिंता प्रकट करके अपने दायित्व की इतिश्री समझ ले । सभापति महोदय, असम में एक निर्णायक कदम उठाने की जरूरत है । मुफ्ती साहब ने ऐलान कर दिया कि असम में चुनाव नहीं होंगे । इस तरह से सरकार ने मान लिया है कि स्थिति यहां तक बिगड़ गई कि चुनाव चुनाव नहीं हो सकते हैं । तो स्थिति से निपटने के लिये और क्या किया जा रहा है ? मंत्री महोदय का जवाब सन्तोषजनक नहीं है ।

श्री सुबोधकांत सहाय : सभापति महोदय, बार्डर के उस पार बर्मा से उनको आर्म्स मिल रहे हैं । और यह भी सही है कि इन लोगों ने असमियों से जो हथियार छीने हैं, उनका भी उपयोग कर रहे हैं । माननीय सदस्य अटल बिहारी वाजपेयी जी ने जो गंभीर सवाल उठाया है, मैं समझता हूं कि इनमें कोई लीपापोती और छिपाने की बात नहीं है । राज्य सरकार पर जितना दबाव डाला जा सकता है डाला जा रहा है । हर एक सोमवार को होम सेक्रेटरी राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगता है कि इस सप्ताह में क्या-क्या किया है । यह सही है कि उल्फा से लड़ने के लिये राज्य सरकार को पोलिटिकल विल और सारी एडमिनिस्ट्रेशन मशीनरी के साथ लड़ना होगा । चीफ मिनिस्टर यहां आने वाले हैं । हम उनके साथ बात करेंगे और प्रधानमंत्री के स्तर पर यह वार्ता होगी ।

श्री अश्विनी कुमार : माननीय सभापति महोदय, अभी हमारे मंत्री जी ने बताया कि प्रति सोमवार को होम सेक्रेटरी से बातचीत हो रही है और चीफ मिनिस्टर यहां आयेंगे तो उनसे बातचीत की जायेगी । क्या गृह मंत्री के पास इस तरह की रिपोर्ट्स हैं कि उल्फा, आसू और ए.जी.पी. की जो लीडरशिप है, वह लगभग एक है । सवेरे ए.जी.पी. है, शाम को आसू है और रात को उल्फा बन जाती है और इस घटना को मैं... (व्यवधान)

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: Sir, what is this? (*Interruptions*).

SHRI DAVID LEDGER: It is not a fact at all. (*Interruptions*). Let the Minister reply to that. We know it very well. Let him reply. (*Interruptions*).

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: You cannot give.. (*Interruptions*).

SHRI DAVID LEDGER: We take serious objection to that. (*Interruption*).

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: You cannot say like this. (*Interruption*).

MR. CHAIRMAN: Let him put the question and the Minister will reply.

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: It is not enough. We are Members of the AGP and we are... (*Interruptions*). Do you think we are ULFA? (*Interruptions*). We will not allow it at any cost. (*Interuptions*).

MR. CHAIRMAN: When your turn comes, you put your supplementary. (*Interruptions*).

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: We are Members of AGP... (*Interruption*). Then it is better that

our names should be cut off from the list of Members of Parliament. (*Interruptions*)

SHRI VIREN J. SHAH: If you are Members...(*Interruptiens*)... what difference can it make to us or to anybody else in the House? Let the Minister reply. (*Interruptions*).

SHRI T. R. BALU: How can a Member cast aspersions on other Members, AGP Members? (*Interruptions*)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: The lady's objection is well taken.

श्री अश्विनी कुमार : मेरी बात आप सुन लीजिये । मैं उदाहरण दे रहा हूं । (व्यवधान)

MR. CHAIRMAN: Let him put his supplementary.

SHRI S. VIDUTHALAI VIRUMBI: You find out the truth and then make allegations. (*Interruptions*) He must withdraw those words. This is not the way. (*Interruptions*)

SHRI PRAMOD MAHAJAN: What is the aspersion cast? There is no question of any aspersion. (*Interruptions*)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: It is a serious matter. (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: I am not going to say anything till you are shouting. How can I hear? Shouting is not the way. (*Interruptions*) Shrimati Bijoya Chakravarty, please take your seat. Let me decide. Just a minute. Mr. Ashwani Kumar, have you suggested that the AGP party represented in this House is involved in it?

अगर आपने नहीं कहा है तो कह दीजिये नहीं कहा है, किस्सा खत्म ।

श्री अश्विनी कुमार : सभापति महोदय, मेरी बात सुनें । (व्यवधान)

सभापति महोदया, मेरी बात अगर आप सुन लेंगे तो मैं स्पष्ट कर दूंगा । (व्यवधान)

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: He says that at night they are ULFA and during day they are AGP, that they are anti-nationalis. It is a clear allegation. (*Interruptions*)

SHRI N. K. P. SALVE: Sir, it is a question of protection of the right of a Member.

MR. CHAIRMAN: Let me talk to Mr. Ashwani Kumar, please.
आपका इन पर आक्षेप लगाने का कोई इरादा नहीं है ?

श्री अश्विनी कुमार : मेरा इरादा नहीं है, मैं आपके सामने घटना रखना चाहता हूं ।

श्री सभापति : ए.जी.पी. पर कोई आक्षेप नहीं लगा रहे हैं (व्यवधान)

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: He wants to do it.

MR. CHAIRMAN: Does he know better or do you know better? I think Mr. Ashwani Kumar knows better as to what he is saying than Mr. Fotedar.

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: I am seeking your indulgence. A Member has the right to ask any question. The Government has the right to reply. Are they....(*Interruptions*).

श्री एन. के. पी. सा वे : सभापति महोदय, मिला-जुला है, यह आक्षेप मिला-जुला है ।

श्री अश्विनी कुमार : सभापति जी मेरी बात तो सुन लीजिये ।

SHRI MAKHAN LAL FOTEDAR: That is why we are saying that the National Front is...(*Interruptions*).

SHRI N. K. P. SALVE: I crave your indulgence, Sir. (*Interruptions*) Is there anything unparliamentary about it? (*Interruptions*)

MR. CHAIRMAN: Please sit down. I am asking him.

श्री अश्विनी कुमार : पहले कृपया मेरी बात सुन लीजिये । उसके बाद चिल्लाइये **(व्यवधान)** आप सुन लीजिये **(व्यवधान)** उसके बाद चिल्लाइये **(व्यवधान)**

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: The records will show that he said that the AGP members at night are ULFA. That is what he said.

MR. CHAIRMAN: Let me talk to him. Let me find out from him. Let me hear him. (*Interruptions*) I do not have 20 ears. I have got only two ears. If all of you shout, I cannot get anything. I want to know the position. That is all. (*Interruptions*)

SHRI G. G. SWELL: Sir, are we functioning in this House according to the rules? The rules say very clearly that if any allegation of a defamatory nature is made, the Member should first inform you and you will ascertain from the Minister... (*Interruption*)

MR. CHAIRMAN: Mr. Swell, just a minute. There is no question. There are no points of order....

SHRI G. G. SWELL: Sir,...

MR. CHAIRMAN: Mr. Swell, please take your seat. You have been Deputy Speaker of the other House. You know that there is no point of order during Question Hour. That is one. Number two: So far as the law is concerned, so far as the procedure is concerned, my mind is absolutely clear. After my long study of parliamentary procedures even before I became a legislator, I was clear in my mind about the position. If a Member makes a personal allegation, then he has to give notice. But you and I, all of us, know that day in and day out allegations are made from both sides on political parties. But in this case I specifically asked Mr. Ashwani Kumar because I thought perhaps he does not want to make an allegation against any constituent of the National Front. So it is for him to say 'yes,' but I am making it very clear that making an allegation against a party and making a personal allegation are two different things. That is the legal position. Mr. Swell knows it very well.

श्री अश्विनी कुमार : माननीय सभापति महोदय, मैं तो प्रश्न पूछ रहा हूं आपके माध्यम से । मैं निवेदन कर रहा था गृह मंत्री महोदय से कि इस प्रकार की यह चर्चा है इस प्रकार की बहुत सारी घटनाएं हैं जिसमें यह आम चर्चा का विषय बन रहा है कि "आसू" और "उल्फा" के लोग एक है और उनको ए.जी.पी. का आर्शीवाद प्राप्त है । उनके लोग भी उनके साथ आर्शीवाद दे रहे हैं । मैं आपको घटना बताना चाहता हूं । नलबारी के चेम्बर आफ कामर्स में 10 अक्तूबर, 1989 को... **(व्यवधान)**

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: Sir, he is repeating the same thing... (*Interruptions*)...

SHRI ASHWANI KUMAR: Let the Home Minister announce it. Let the Home Minister announce that it is not involved... (*Interruptions*)...

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: Sir, he is repeating the same thing. It is an allegation against the party.

SHRI ASHWANI KUMAR: Let the Home Minister deny it.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, मुझे एक मिनट दें आसाम गण परिषद् की देशभक्ति में हमें कोई संदेह नहीं है ।

श्रीमती विजया चक्रवर्ती : तो ?

श्री सभापति : अटल जी ने देश-भक्ति का सर्टिफिकेट दे दिया अब तो चुप हो जाइये ।

SHRI DAVID LEDGER: It is people like you who created a situation like this.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी मुझे खेद है कि तनातनी

का वातावरण पैदा हो गया है । हम सब लोग आसाम की स्थिति से चिंतित हैं इसलिए... (व्यवधान)

SHRIMATI BIJOYA CHAKRAVARTY: Then why was he casting aspersions like this?

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: She is not an ordinary Member. She is General Secretary of the National Front. Somebody calling them* is a serious thing. Sir, I am surprised you have not taken note of it.

MR. CHAIRMAN: Who said that? Nobody said that* is unparliamentary. It will not go on record. I expunge your remark... (*Interruptions*)...* is unparliamentary and '*Deshbhakt*' is parliamentary.

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : सभापति जी, कुछ मेम्बर्स आग में तेल डालने की कोशिश कर रहे हैं, उसमें मदन को होशियार रहना चाहिए । मैंने कहा कि आसाम गण परिषद एक देशभक्त पार्टी है और आसाम के सदस्य स्वीकार करेंगे कि जब वे एक लड़ाई लड़ रहे थे तो हमने उनका समर्थन किया था ।

श्रीमती विजया चक्रवर्ती : मान लिया ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अब जो आगे कहने वाला हूं उसको भी मानिए । महोदया... महोदय... (व्यवधान)

श्री पी० शिव शंकर : वे मेम्बर को एड्रेस कर रहे हैं ।

श्री सभापति : बात यह है कि महोदया इनका कहना पूरा जस्टिफाईड है, क्योंकि इनको स्वप्न में भी एक स्थिति आ गई है कि... (व्यवधान)

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : महोदय, हर पुरुष में नारी छुपी होती है और हर नारी में पुरुष के दर्शन हो जाते हैं । अर्ध-नारी नटेश्वर ।

श्री सभापति : तो आप अर्धनारीश्वर हैं । यह न्यू डिस्कवरी है ।

श्री अटल बिहारी वाजपेयी : अगर सब हैं, तो मैं भी हूं ।

मैं यह कह रहा था कि ए०जी०पी० पर कोई आक्षेप नहीं है, न लगाने का इरादा है और न लगाया जाना चाहिए ।

आज जो असम में घटनायें हो रही हैं, उनके बारे में तरह-तरह के आरोप लग रहे हैं और अफवाहें उठ रही हैं । ए०जी०पी० के सदस्य यहां मौजूद हैं । उन्हें भी अपनी बात कहने का मौका मिलेगा । वह स्पष्टीकरण दे सकते हैं । लेकिन असम गण परिषद् के ऊपर आक्षेप लगाने का कोई इरादा नहीं है । मैंने और सूत्रों से भी पता लगाया है और इन आरोपों को मैंने निराधार पाया है । लेकिन इतना काफी नहीं है । नीचे के स्तर पर अगर कार्यकर्ता मिल जाते हैं, भयभीत हो जाते हैं और आपत्तिजनक गतिविधियों में शामिल हो जाते हैं, तो हर संगठन का काम है कि उनको रोकें ।

श्री अश्विनी कुमार : सभापति जी, मैं जो प्रश्न कर रहा था, जिस पर मेरे कुछ सहयोगी मित्र बहुत नाराज हुए, मेरा इतना ही प्रश्न है कि यह जो आज गतिविधियां चल रही हैं उल्फा की, इसमें बहुत सारे ऐसे लोग होंगे--मैं प्रश्न पूछ रहा हूं कि क्या इसमें बहुत से ऐसे लोग हैं, जो कल तक आसू के गणमान्य नेता थे और इस प्रकार की वहां पर आम चर्चा है और उसके कारण यह उपस्थित होते है कि जब वहां पर नलबाड़ी चैम्बर आफ कामर्स के अध्यक्ष की हत्या हुई, राजेन्द्र शर्मा ने की, तो जब उसका बंधक हुआ जिसने हत्या की--हत्यारे के समर्थन में आसू ने नलबाड़ी को बंद कराया । मेरे पास सूचना है कि बंद कराया । अगर बंद कराया,

*Expunged as ordered by the Chair.

तो आसू और उल्फा का संबंध दुनिया को लगाने में कोई आपत्ति नहीं होगी ।

दूसरे, जहां तक सरकार का प्रश्न है, गृह मंत्री ने कहा कि हम वहां कुछ कार्यवाही कर रहे हैं । मैं पूछना चाहता हूं आंकड़ों से कि कितने छापे उल्फा के ऊपर मारे गये हैं और कितने लोग गिरफ्तार किये गये हैं ? गिरफ्तार लोगों में से कितनों को छोड़ दिया गया है ? मेरी जानकारी है कि जितनों को गिरफ्तार किया है, उनमें से 90 प्रतिशत लोगों को छोड़ दिया गया है । एक भी मुकदमा नहीं चलाया गया और न ही एक-दो लोगों के मारे जाने पर आज तक एक भी आदमी को सजा हुई है ।

अगर इस पर से सरकार की निष्क्रियता तो क्या नहीं साबित होती, तो क्या साबित होती है ? और निष्क्रियता जब होती है, तो सब प्रकार के मोटिव उस सरकार के ऊपर लग सकते हैं । इससे सरकार बच नहीं सकती है ।

मैं केंद्रीय सरकार से पूछना चाहूंगा कि ए०जी०पी० की जो वहां सरकार है, उसने आज तक जो कार्य किये है, उसका सारा वर्णन दें और अगर वह अपने दायित्व से, जो वहां ला एंड आर्डर बनाने की जो स्थिति है, उससे हट रही है, तो केंद्रीय सरकार देश के नागरिकों की सुरक्षा के लिए बीच में क्या इंटरवीन करेगी और उल्फा पर बैन लगाएगी क्या—मैं स्पष्ट जानना चाहता हूं ?

श्री सुबोध कांत सहाय : सभापति महोदय, असम सरकार के द्वारा वहां 1154 छापे मारे गए हैं । गिरफ्तारियां 229 की गई हैं, जिसमें 88 लोग अभी हिरासत में हैं, जिनके ऊपर कार्यवाही चल रही है ।

हथियार भी जप्त किये गये हैं । 1232 एफ०आई०आर० लाज किये गये हैं और जहां तक मैं समझता हूं कि असम की सरकार पूरी तरह से इस काबिल है कि इनके खिलाफ कार्यवाही कर पाए ।

किस स्तर पर उनको सुझाव दिया जा सकता है, इसके लिए दो-दो, तीन-तीन आल-इंडिया पार्टी वहां बुला कर सारे राजनीतिक दलों के साथ विचार-विमर्श हुआ है और उल्फा द्वारा की गई कार्यवाइयों की जो गम्भीरता है, उससे यह सदन और पूरा देश चिंतित है ।

असम सरकार के लिए भी यह चुनौती है । इसको असम सरकार अच्छी तरह समझती है ।

रहा सवाल कि किसी स्तर पर ए०जी०पी० के इस संगठन में शामिल होने का इस घटना में—तो मैं कहना चाहता हूं कि उल्फा एक आर्म्ड स्ट्रगल करने वाला एक ऐसा संगठन है, जोकि इस संविधान के तहत अपनी बात स्वीकार नहीं करना चाहता है । और ए०जी०पी० इस देश की रजिस्टर्ड नेशनल पार्टी है, किसी स्तर पर भी मैं कहना चाहता हूं कि इसके उसके साथ संबंध नहीं हैं ।

SHRI SUKOMAL SEN: Sir, today the Minister of State is replying, and today there is a news in the newspapers that Mufti Mohammed Sayeed who is the Minister in charge of the Home Ministry, is reported to have stated that the Assam Government is not serious in tackling the ULFA activities. I would only seek a clarification from the hon. Minister on what he has said, whether the Assam Government has the political will to deal with the ULFA activities or there are other lapses and deficiencies in the steps being taken by the Assam Government to deal with the ULFA, whether the Central Government is satisfied with the steps and the action being taken by the Assam Government in dealing with the ULFA activities which are creating a very serious situation not only in the State of Assam but also in the whole of the country and also whether the Government has any estimate about the number of armed activists of the ULFA and its deposits of arms and ammunitions.

श्री सुबोध कांत सहाय : सभापति महोदय, जहां तक सवाल है कि उल्फा

के खिलाफ की गई कार्रवाई के ऊपर सन्तोष व्यक्त करना या नहीं तो आसाम सरकार ने इसको सख्ती से करने के लिए कुछ-कुछ मांग किया था । हमने कहा कि उस मांग को हम लोगों ने अपने स्तर तक कोशिश की है कि पूरा कर पाएं और वीकली मोनिटरिंग इसका सैन्ट्रल लेवल पर किया जा रहा है । मेरे ख्याल से दिन प्रति-दिन प्रगति हो रही है और जहां कमियां होती हैं केन्द्रीय सरकार के द्वारा उसको नोटिस में लाया जा रहा है । इस तरह से हम कह सकते हैं कि आसाम की सरकार इसको पूरी तरह से काबू करने मे सक्षम हो इसके लिए वह एक अपना पोलिटीकल और एडमिनिस्ट्रेटिव बिल के साथ तैयार हो, जो भी इसकी जरूरत होगी हम लोग उसको पूरा करेंगे ।

श्री शांति त्यागी : माननीय सभापति जी, एक केन्द्रीय मंत्री ने यह रहस्योद्घाटन किया है कि पंजाब और काश्मीर के अलगाववादियों और तमिलनाडु में जो श्रीलंका से आए हुए तमिल उग्रवादी हैं, उनका उल्फा से घनिष्ठ संपर्क है । यह अखबार मेरे हाथ मे है और मंत्री जी का नाम सब लोग पढ़ चुके हैं और यह बात भी कही गई है कि उल्फा जो है यह हमारे देश मे देशद्रोह का लिचपिन बन गया है । यह अंग्रेजी में कहा गया है, मुझे इसकी हिन्दी मालूम नही है । लिचपिन बन गया है और उल्फा काश्मीर में, पंजाब में उग्रवादियों को, अलगाववादियों को हथियार भी सप्लाई कर रहा है । मैं गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि अगर यह बात सही है तो यह देश-द्रोही गठबंधन जो बना है नैक्सस, इसको तोड़ने के लिए अब तक केन्द्र सरकार ने क्या कदम उठाए हैं? सभापति महोदय, यह अखबार मेरे हाथ में है, मंत्री जी ठीक जवाब दें?

श्री सुबोधकांत सहाय : सभापति महोदय, समाचार-पत्र में जो छपा है उसके संबंध में अधिकृत रूप से सरकार के पास कोई जानकारी नहीं है । रहा सवाल कि सरकार जो उनकी गतिविधियां हैं उसको तोड़ने के लिए जो हमें... **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : आपके केन्द्रीय मंत्री ने यह बात कही है । क्या यह बात कही है या नहीं कही है? अगर कही है तो उस मंत्री पर सरकार की तरफ से गैर-जिम्मेदारी का आरोप लगना चाहिए और 5 दिन हो गए हैं यह बात निकले ।... **(व्यवधान)**

श्री शांति त्यागी : सभापति जी, यह कहा है मंत्री जी ने कि मंत्री की हैसियत से मे यह बात कह रहा हूं और साधारण नागरिक की हैसियत से इसमें नहीं लिखा हुआ है ।

श्री सभापति : किसने कहा है?

श्री शांति त्यागी : यह केन्द्रीय मंत्री जार्ज फर्नांडीज़ ने कहा है ।... **(व्यवधान)**

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलूवालिया : ..खालिस्तानियों के साथ, जे०के०एल०एफ० और एल०टी०टी०ई० के साथ है ।... **(व्यवधान)**

श्री सभापति : मंत्री जी कह रहे हैं कि यह अखबार में छपा है और मंत्री जी ने कहा है कि पता लगा लेंगे ।

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया : नहीं, यह अखबार में छपा है और 5 दिन हो गए हैं ।

SHRI JAGESH DESAI: This is very serious.

SHRI S. S. AHLUWALIA: This is a serious matter.

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: It was a clear public statement. *(Interruptions)*

SHRI YASHWANT SINHA: He is making a responsible statement in the House. *(Interruptions)*

SHRI S. S. AHLUWALIA: That means, Mr. George Fernandes has made an irresponsible statement in the newspaper. What do you mean by that?

श्री यशवन्त सिन्हा : सदन के बाहर की बात नहीं चलेगी । **(व्यवधान)**

श्री सभापति : जहां तक अखबार में छपा है, अगर ये कहते हैं कि जॉर्ज फर्नांडीज ने ये नहीं कहा तो हम को इनकी बात माननी पड़ेगी जब तक कि गलत साबित न हो । जॉर्ज फर्नांडीज ने कहा कि मैंने कहा है, तब इनकी बात गलत हो जाएगी और तब ये दिक्कत में हो जाएंगे ।

श्री सुबोध कान्त सहाय : सभापति महोदय, इसमें माननीय सदस्य को संतोष हो इसलिए मैं कहना चाहता हूं कि जो इन्होंने पेपर में कहा है, इसकी जांच करा लेंगे ।

SHRI JAGESH DESAI: You are taking such an issue so lightly.

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया :*

श्री यशवन्त सिन्हा :*

श्री अजीत जोगी :*

श्री सुरेन्द्रजीत सिंह अहलुवालिया :*

MR. CHAIRMAN: I may make it clear, whoever is speaking without my permission, that will not go on record. (*Interruptions*) I am not permitting any of you and anything told by you will not go on record. Now, the position is very simple. He says in the paper it has been reported that Mr. George Fernandes made certain remarks. The Minister says he cannot depend upon the paper reports. He will go deeply into it and talk to him. And if it is so, he will see that the link is broken. Is that over?

SHRI S. S. AHLUWALIA: It is a serious remark that there is...

MR. CHAIRMAN: Let us first be sure about facts. . . **(व्यवधान)**

आप लोग जो कह रहे हैं, वह कुछ रिकार्ड पर नहीं जा रहा है ।

Only the questioner's supplementary will go on record and nothing else will go on record. You are on the panel

...(व्यवधान)...

*Not recorded.

आप जो कहेंगे वह भी नहीं जायेगा । वह भी नहीं जायेगा ।

His answer is that he will find out and if it is so he will see that the nexus is broken. Is it over? (*Interruptions*) Now, Smt. Bijoya Chakravarty. She is absent. Shri Swell. (*Interruptions*)

SHRI G. G. SWELL: Let me ask the question, please. Surely the Minister has seen... (*Interruptions*)

SHRI VIREN J. SHAH: Has he been called?

SHRI G. G. SWELL: Yes, I have been called.

MR. CHAIRMAN: I called Bijoya Chakravarty. She was not here. I called Mr. Swell.

SHRI G. G. SWELL: The Minister surely must have seen the news this morning that there was an explosion in Assam near Gauhati. Reportedly 25 lives were lost on the spot and scores of other people were injured. This was reported to be the work of the Bodo agitationists. Now, the Bodos are going to have the last meeting with the Government of India some time this month and they have said that after this they are going the ULFA way. I want the Minister to reply to me on that. Have the Bodos said that they are also going the ULFA way?

SHRI CHATURANAN MISHRA: ULFA way and going to ULFA are two things.

MR. CHAIRMAN: The question is about ULFA.

SHRI G. G. SWELL: Karbis have also said that they are going the ULFA way and the Ahom tribe has also said that they are going the ULFA way. So, what is ULFA and what is URMCA? I would like to know whether the Minister is aware of an organisation called URMCA, which is also armed and is ready to take up arms. I would like the Minister to answer this.

श्री सुबोध कांत सहाय : सभापति महोदय, जहां तक यह सवाल है, इन सारे संगठनों के साथ हरेक स्तर पर, राज्य सरकार और केन्द्र सरकार के द्वारा इसके

गुटों को लेकर वार्ता होती रही है और मैं समझता हूं कि ये संगठन हिंसात्मक आंदोलन में शामिल नहीं होंगे, ऐसी उम्मीद की जाती है । महोदय, यह सवाल इस सवाल से जुड़ा हुआ नहीं है, चूंकि माननीय सदस्य उस इलाके से आते हैं और... (व्यवधान)...

SHRI G. G. SWELL: Sir,...

श्री सुबोध कांत सहाय : महोदय, यह उम्मीद की जाती है कि असम-सरकार इन सारे संगठनों के साथ शांतिमय तरीके से वार्ता करके इनके सवालों को खतम करेगी, जिससे कोई हिंसात्मक आंदोलन भविष्य में न हो ।

SHRI VIREN J. SHAH: Mr. Chairman, Sir, in this very House there was a Private Member's Resolution on ULFA and Assam which I had the privilege to lead and for two successive days we had discussions. The only thing I wanted to draw your attention is that in February this year the hon. Minister has given the same reply. In March, he has given the same reply. In May, the same reply and this morning also he gave the same reply.

MR. CHAIRMAN: We have a consistent Minister.

SHRI VIREN J. SHAH: Permit me, Sir, it is a very serious question. At that time also he...

आप कहते हैं—उम्मीद की जाती है । that they were hoping.

श्री सभापति : भाई मेरे, आप जानते हैं, उम्मीद पर दुनियां कायम है ।

SHRI VIREN J. SHAH: Since then the situation is so deteriorating that lives are being lost and still the Government of India is not in a position to say anything concrete. They are hoping that the Government of Assam will do something. At that time also we have mentioned this thing and every week we talked to the Home Secretary. Is this leading to any result? Will the hon. Minister kindly say whether the situation has improved in Assam and in ULFA activities since May, 1990 when he gave the reply in this House till September, 1990? Is there any improvement? If so, what is the improvement? If there is no improvement, what is degeneration? What are they doing about it?

MR. CHAIRMAN: He wants to know whether there is any improvement in the last nine months.

श्री सुबोध कांत सहाय : सभापति महोदय, इम्प्रूवमेंट तो रही है । मैं यह बात कहना चाहता हूं कि उल्फा की गतिविधियां और भी जोर पर बढ़ी है और इसका कारण है कि वे इस वक्त यह चाहते हैं कि पोलिटिकल पावर असर्ट करें और हिंसा के द्वारा करें । इसमें कहीं मैं कोई छिपाने की बात नहीं करता हूं ।

SHRI VIREN J. SHAH: If you don't mind, the sovereignty of the country is under threat. That is why I am so serious about it.

श्री सुबोध कांत सहाय : नहीं मैं नहीं समझता, सर, कि इस तरह से कोई सावरेण्टि आफ दी कण्ट्री उल्फा से थेट होगा । उल्फा से असम की सरकार मुस्तैदी से निपटेगी और उसका मुकाबला करके उसका खातमा करेगी । ऐसी उम्मीद की जाती है और इसी उम्मीद के साथ मैं आपको यह कह रहा हूं ।

MR. CHAIRMAN: Q: No. 383.

राजस्थान में एक इलैक्ट्रानिक स्विचिंग प्रणाली परियोजना का स्थापित किया जाना

*383. **श्री राम दास अग्रवाल :** क्या संचार मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने आठवीं पंचवर्षीय योजनावधि के दौरान राजस्थान में एक इलैक्ट्रानिक स्विचिग प्रणाली (ई.एस.एम.) परियोजना स्थापित करने का कोई निर्णय लिया है, जिससे देश में ऐसे उद्योगों का संतुलित वितरण हो सके;

(ख) क्या सरकार ने ई.एस.एस. के लिये या तो सी-डॉट प्रौद्योगिकी या आयातित प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल करने के संबंध में भी कोई निर्णय लिया है;